

गज़ल

गज़ल
काश! ऐसा ये साल हो जाए
खुद में जो बेमिसाल हो जाए
प्यार का हो उरुज़ दुनिया में
नफरतों का जवाल हो जाए
जंग थम जाए सारी दुनिया में
अमन हर सू बहाल हो जाए
जो भी रुठे हैं एक दूजे से
उनमें फिर बोलचाल हो जाए
सबकी किस्मत में घर हो सपनों का
थाल में रोटी दाल हो जाए
सिक्का जम जाए अपने भारत का
रूपए में उछाल हो जाए
ये दुआएं नियाज़ की या रब!
पूरी हों तो कमाल हो जाए



नियाज़ कपिलवस्तुवी,
सिद्धार्थनगर/दैनिक बुद्ध का संदेश

कविता.

जय जय जय सिद्धार्थनगर

गौतम बुद्ध की भूमि के हैं लाल नहीं करते हैं फिकर
हर मुश्किल को हल करने की रखते हैं हम शेर ज़िगर,
(जय जय जय सिद्धार्थनगर)
धीरे-धीरे गली मोहल्ला चमक रहा है नगर नगर
हम परदेसी हैं हां लेकिन अपना भी है एक शहर,
(जय जय जय सिद्धार्थनगर)
जहाँ बाणगंगा की धारा से जुड़ती है नदी नहर
जहाँ किसानों के चेहरे पर खुशियों की है अगल लहर
(जय जय जय सिद्धार्थनगर)
जहाँ है सांसों में करुणा जहाँ शान्ति जीवन का स्वर
काला नमक के चावल की खुशबू से जनपद गया निखर,
(जय जय जय सिद्धार्थनगर)
वो राजमहल को त्याग दिए सिद्धार्थ यहीं पर गए ठहर
कपिलवस्तु की मिट्टी को इतिहास में वो कर गए अमर,
(जय जय जय सिद्धार्थनगर)
जनपद के सम्मान में साहब प्राण मेरे चल जाएं अगर
पर भारत मां सिद्धार्थनगर को लगे किसी की नहीं नज़र,
(जय जय जय सिद्धार्थनगर)



अरुणेश विश्वकर्मा अनंत,
सिद्धार्थनगर/दैनिक बुद्ध का संदेश

सम्पादकीय

नए वर्ष में नए हौसलों की उड़ान से आलोकित होगा विश्व



आज से 2026 शुरू हो जाएगा। पल प्रतिपल नए हौसले नए जनपद, नए प्रदेश और नए भारत की तस्वीर के निर्माण की गवाही देंगे। बच्चे, युवा, प्रौढ़ और बुजुर्ग नए युग की शुरुआत करेंगे। महात्मा बुद्ध अपने ज्ञान और उपदेश से विश्व को आलोकित करेंगे। वर्ष 2026 सूर्य का वर्ष है और इस वर्ष के पहले ही दिन यानी आज 1 जनवरी को ग्रहों के राजा सूर्य पद नक्षत्र परिवर्तन करने वाले हैं। अंकशास्त्र के अनुसार , 2026 एक अंक 1 वर्ष है , जो नई आकांक्षाओं और लक्ष्यों को प्रेरित करता है। हम अपने भाग्य के स्वयं स्वामी हैं। हम अपने प्रिय और विश्वास के मार्ग पर चलकर अपनी नियति को नियंत्रित कर सकते हैं। यही वह क्षण है जब हमें आगे बढ़ना है। इसे अपना बना लें और इस पर अपना अधिकार जमा लें। वर्ष 2026 की शुरुआत में, नासा और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री एक बार फिर चंद्रमा की परिक्रमा करके वापस लौटेंगे। चार सदस्यीय दल में रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल हैं। श्री ग्लोवर चंद्रमा पर जाने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति होंगे और सुश्री कोच पहली महिला होंगी। इस बार मिलानो कोर्टिना 2026 के नाम से आयोजित होने वाले शीतकालीन ओलंपिक खेल 6 फरवरी से 22 फरवरी, 2026 तक वापस लौटेंगे। इस बार शीतकालीन खेल इटली में आयोजित किए जाएंगे, जिनकी सह-मेजबानी मिलान और कोर्टिना डीशम्पेजो शहर करेंगे। कुल मिलाकर वर्ष 2026 अग्नि अश्व का वर्ष है। इसे आशावाद और अवसरों का वर्ष माना जाता है, जिसमें जनता और निवेशकों का मजबूत विश्वास आर्थिक विकास की ओर संकेत करता है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

देश के अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में अहम उड़ान

यह भारत की कार्य संस्कृति और योजना क्षमता को दर्शाता है। इस सफलता से भारत की छवि भरोसेमंद अंतरिक्ष संबंधी तकनीकी क्षमता वाले राष्ट्र के रूप में मजबूत हुई। अब कई देश भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाना चाह रहे हैं। भारत आने वाले वर्षों में चंद्रयान, गगनयान और अन्य अंतरिक्ष अभियानों पर काम करेगा। इन सभी अभियानों की सफलता का आधार एलवीएम3 जैसे रॉकेट हैं। इसका सफल प्रक्षेपण केवल एक रॉकेट...

इसरो द्वारा एलवीएम3—एम6 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण प्रमाण है कि भारत तकनीक और क्षमता के बल पर नई दिशा तय कर रहा है। यह वैज्ञानिक उपलब्धि के साथ ही देश की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इस लॉन्च का अनुभव गगनयान मिशन की तैयारी में मददगार होगा। भारत ने सिद्ध कर दिया है कि वह केवल अंतरिक्ष तक पहुंचने वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष तकनीक में वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ता राष्ट्र है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा एलवीएम3—एम6 रॉकेट का सफल प्रक्षेपण यह साबित करता है कि भारत अब केवल एक सीखने वाला देश नहीं रहा, बल्कि अपनी तकनीक और क्षमता के बल पर नई दिशा तय कर रहा है। यह सफलता केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की सोच, नीति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। भारत ने जब अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट अंतरिक्ष में भेजा था, तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दिन भारत भारी उपग्रहों को अपने दम पर अंतरिक्ष में स्थापित करेगा। आज उपग्रह हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। मोबाइल संचार, इंटरनेट, मौसम की जानकारी, टीवी प्रसारण, कृषि सलाह, आपदा प्रबंधन और सीमा सुरक्षा इन सभी में अंतरिक्ष तकनीक की अहम भूमिका है। एलवीएम3 जैसे शक्तिशाली रॉकेट यह

भरोसा देते हैं कि देश अब अपनी जरूरतों के लिए किसी और पर निर्भर नहीं है। एलवीएम3 भारत का सबसे ताकतवर प्रक्षेपण यान है। पहले इसे जीएसएलवी मार्क—3 के नाम से जाना जाता था। इसका उपयोग भारी उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने के लिए किया जाता है। एलवीएम3—एम6 इस रॉकेट का छठा सफल मिशन है, जिसमें उपग्रह को तय योजना के अनुसार सुरक्षित रूप से उसकी कक्षा में स्थापित किया गया। इस मिशन की सफलता यह दिखाती है कि इसरो की तकनीक अब पूरी तरह से भरोसेमंद हो चुकी है।

एलवीएम3 रॉकेट तीन चरणों में काम करता है। पहले चरण में ठोस ईंधन वाले दो बड़े बूस्टर रॉकेट को तेजी से ऊपर ले जाते हैं। दूसरे चरण में तरल ईंधन वाला इंजन रॉकेट को स्थिर गति देता है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन काम करता है, जो उपग्रह को सटीक कक्षा में पहुंचाता है।

भारत के लिए क्रायोजेनिक तकनीक लंबे समय तक चुनौती रही, लेकिन आज यह पूरी तरह स्वदेशी बन चुकी है। एलवीएम3—एम6 मिशन 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की एक सशक्त मिसाल है। इस रॉकेट में इस्तेमाल होने वाली अधिकांश तकनीक और उपकरण देश में ही विकसित किए गए हैं। इससे विदेशी निर्भरता कम हुई है, साथ ही, देश में उच्च तकनीकी उद्योगों को भी बढ़ावा मिला है। यह उपलब्धि बताती है कि भारत जटिल तकनीकों को समझने और विकसित करने में सक्षम है। अब भारत का सपना है कि वह अपने अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजे। इस सपने को पूरा करने के लिए गगनयान मिशन पर काम चल रहा है। एलवीएम3 रॉकेट इसी मिशन की रीढ़ है। एलवीएम3—एम6 से मिले अनुभव और आंकड़े मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी में मदद करेंगे। इससे रॉकेट की सुरक्षा, विश्वसनीयता और प्रदर्शन को और बेहतर बनाया जा सकेगा। अंतरिक्ष आज विज्ञान का ही क्षेत्र नहीं रहा। यह राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। संचार उपग्रह, निगरानी उपग्रह व नेविगेशन सिस्टम देश की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। एलवीएम3 जैसे रॉकेट भारत को यह ताकत देते हैं कि वह अपने रणनीतिक उपग्रह खुद लॉन्च कर सके। इससे देश की सुरक्षा और मजबूत होती है। अंतरिक्ष क्षेत्र अब एक बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन चुका है। दुनियाभर में सैटेलाइट लॉन्च, डेटा सेवाओं और अंतरिक्ष

अनुसंधान में भारी निवेश हो रहा है। एलवीएम3 की सफलता भारत को इस वैश्विक बाजार में मजबूत स्थान दिलाएगी। इससे कंपनियों, स्टार्टअप और युवाओं के लिए नए रोजगार व अवसर पैदा होंगे। अंतरिक्ष क्षेत्र अब केवल सरकारी प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहा। एलवीएम3—एम6 जैसे मिशन देश के युवाओं को प्रेरित करेंगे। अब विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में कैरियर बनाकर देश की सेवा की जा सकती है। आज जब युवा विदेश जाने का सपना देखते हैं, तो ऐसे मिशन उन्हें विश्वास दिलाते हैं कि भारत में भी विश्वस्तरीय काम हो रहा है। इसरो की पहचान कम लागत में बड़े काम करने की रही है। एलवीएम3 भी इसका उदाहरण है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने ऐसा रॉकेट विकसित किया है, जो अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरता है। यह भारत की कार्यसंस्कृति और योजना क्षमता को दर्शाता है। इस सफलता से भारत की छवि भरोसेमंद अंतरिक्ष संबंधी तकनीकी क्षमता वाले राष्ट्र के रूप में मजबूत हुई। अब कई देश भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाना चाह रहे हैं। भारत आने वाले वर्षों में चंद्रयान, गगनयान और अन्य अंतरिक्ष अभियानों पर काम करेगा। इन सभी अभियानों की सफलता का आधार एलवीएम3 जैसे रॉकेट हैं। इसका सफल प्रक्षेपण केवल एक रॉकेट की उड़ान नहीं है। यह भारत के वैज्ञानिक आत्मविश्वास, तकनीकी क्षमता और भविष्य की तैयारी का प्रतीक है।



जहां अरावली को लेकर प्रस्तावित नए मानकों पर बहस खनन और पर्यावरण पर केंद्रित है वहीं लंबी अवधि की खाद्य सुरक्षा के लिए उभरता खतरा नजरअंदाज किया जा रहा है। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र अधिवेशन ने चेतावनी दी है कि मरुस्थलीकरण मिट्टी की उर्वरता को गंभीर नुकसान पहुंचाता है, जिससे उपजाऊ जमीनें अर्धशुष्क हो जाती हैं। निश्चित रूप...

एक अरब साल से भी ज्यादा पुरानी अरावली पहाड़ियों ने उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के रेगिस्तान बनने के विरुद्ध एक हरी दीवार का काम किया है। ये पहाड़ियां समृद्ध जैव विविधता का भंडार भी हैं ये जमीन के नीचे के जलभंडारों की भरपाई करने में अहम भूमिका निभाती हैं और इन्होंने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रेगिस्तान की आगे बढ़ने की चाल को रोका है। वर्ष 2021 की हॉलीवुड व्यंग्य फिल्म 'डॉट लुक अप' में, दो अमेरिकी खगोलशास्त्री दुनिया को एक धूमकेतु के बारे में चेतावनी देते हैं, जो पृथ्वी की ओर तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति एक अरबपति के झंसे में आ जाते हैं, जो यह दावा करता है कि उस आकाशीय पिंड में खरबों डॉलर के दुर्लभ तत्व हैं। आखिरकार, धूमकेतु पृथ्वी से टकराता है, जिससे एक वैश्विक आपदा बनती है। काश! फिल्म के मुख्य किरदारों ने प्राकृतिक संसाधनों की लूट के भयानक परिणामों के बारे में संज्ञान लिया होता, जैसा कि उत्तर भारत के 'हरे फेफड़े' पुकारी जाने वाली और पर्यावरण सुरक्षा के लिए अति संवेदनशील किंतु क्षतिग्रस्त

की जा चुकी अरावली पर्वत श्रृंखला की प्रस्तावित 100 मीटर की परिभाषा से साफ था तो फिल्म का शीर्षक 'डॉट लुक अप, लुक डाउन' होता। यह वही है जिसकी चेतावनी महात्मा गांधी ने यह कहकर दी थी, 'दुनिया में हर किसी की जरूरत के लिए काफी है, लेकिन हर किसी के लालच के लिए नहीं।' कई साल पहले, मैं हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में गोविंद सागर जलाशय के ऊपर हिमालय की नाचुक पहाड़ियों में घूना पत्थर की खुदाई पर रिपोर्टिंग करने गया था। एक सीमेंट कंपनी धीरे-धीरे, परत-दर-परत, चूना पत्थर वाली पहाड़ी को खुरच रही थी। जब मैंने कंपनी के महाप्रबंधक से पूछा कि क्या उन्हें अहसास है कि पहाड़ी को समतल करने से गंभीर पारिस्थितिक नुकसान होगा, तो उनके जवाब में आमतौर पर हावी मानसिकता झलक रही थी, 'जब पहाड़ी ही नहीं रहेगी तो आप किस पारिस्थितिक नुकसान की बात कर रहे

हैं?' हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर आधारित सभी विकास गतिविधियां बंद कर देनी चाहिए। इसका अर्थ सिर्फ यह है कि मुख्य आवश्यक तत्वों के अत्यधिक खनन के गंभीर पर्यावरणीय परिणाम होते हैं और इसके लिए सख्त नियमों के अलावा प्रकृति द्वारा प्रदत्त पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के आर्थिक मूल्यंकन की भी जरूरत है। इसके सामाजिक प्रभाव भी



और बेशक, संगमरमर जैसे मुख्य खनिजों का भरपूर भंडार है। इसके अलावा, ये पहाड़ियां लिथियम, निकेल, मोलिब्डेनम, नाइओबियम और टिन जैसे जरूरी खनिजों से भी भरपूर हैं। जैसे 'डॉट लुक अप' में अमेरिकी राष्ट्रपति को यह विश्वास दिलाया गया था कि धूमकेतु की आर्थिक संपत्ति बहुत ज्यादा दौलत लाएगी, वैसे ही यह माना जा रहा है कि अरावली में मौजूद खनिज देश के आर्थिक विकास के

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी है अरावली का वजूद

होते हैं, जिनके लिए कोई माप-सूत्र मौजूद नहीं है। ऐसे में, अगर नीति निर्माताओं को गलती करनी भी पड़े, तो उन्हें लोगों और पर्यावरण के हित में गलती करनी चाहिए। इसी तरह, जब हिमालय के ग्लेशियर पिघलने लगे, तब एक ऐसा कथानक गढ़ने की कोशिश की गई जो उन दावों को चुनौती दे रहा था, जिसमें इस घटनाक्रम को जलवायु आपदा बताया गया था। भगवान का शुक्र है कि अब दुनिया पिघलते ग्लेशियरों के विनाशकारी परिणामों के प्रति जाग गई है। ग्लोबल वार्मिंग से आगे बढ़कर, दुनिया पहले ही ग्लोबल वॉइलिंग स्टेज में प्रवेश कर चुकी है। इसका मतलब है पहाड़ियों और जंगलों का अंधाधुंध दोहन, जो दुनिया को सिर्फ जलवायु आपदा की ओर धकेलेगा। चार राज्योंकृगुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के 37 जिलों में 1.44 लाख वर्ग किमी में फैली अरावली पहाड़ियों में सीसा, जस्ता, चांदी, तांबा

लिए जरूरी हैं। अगर ऐसा है, तो मुझे नहीं पता कि इतने बड़े पैमाने पर 'सेव अरावली' विरोध प्रदर्शन क्यों हो रहे हैं। क्या लोग खनिज संपदा की आर्थिक कीमत नहीं समझते, जिसे किसी भी कीमत पर निकालना जरूरी है? एक अरब साल से भी ज्यादा पुरानी अरावली पहाड़ियों ने उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के रेगिस्तान बनने के विरुद्ध एक हरी दीवार का काम किया है। ये पहाड़ियां समृद्ध जैव विविधता का भंडार भी हैं ये जमीन के नीचे के जलभंडारों की भरपाई करने में अहम भूमिका निभाती हैं और इन्होंने दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में रेगिस्तान की आगे बढ़ने की चाल को रोका है। लेकिन अरावली पट्टी में इंसानी दखल और विकास प्रक्रिया के कारण वन्यजीवों के आवासों और स्थानीय आजीविका को पहले ही बहुत नुकसान हो चुका है। जैसे-जैसे रेगिस्तान फैल रहा है, देश की कड़ी मेहनत से हासिल की गई खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। फरवरी, 2025 में संसद को बताया गया कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा तैयार किए गए 2021 के भारत के मरुस्थलीकरण और

भूमि क्षरण मानचित्र के अनुसार, रेगिस्तान तेजी से अन्न पैदा करने वाली कृषि भूमि की ओर बढ़ रहा है। पहले से ही, हरियाणा में 3.64 लाख हेक्टेयर से ज्यादा, पंजाब में 1.68 लाख हेक्टेयर और उत्तर प्रदेश में 1.54 लाख हेक्टेयर भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण की चपेट में आ चुकी है। एक बार अरावली का स्वरूप नई परिभाषा के अनुसार बन गया तो भूमि क्षरण और भी तेज हो जाएगा। इससे तेज गर्म हवा, बार-बार धूल भरी आंधियां, बढ़ते तापमान का रास्ता खुल जाएगाय इसके साथ खेती के कारण गहरे जमीनी पानी के खत्म होने से, मिट्टी का कटाव और तेज होना, जिससे कृषि भूमि की गुणवत्ता खराब हो जाएगी।

सिद्धार्थनगर का सबसे बड़ा फ्रीटींग पब्लिकेशन हाउस... मिट्टी भी खूब है और मिट्टी भी खूब है

बुद्ध पब्लिकेशन ऑफसेट एण्ड प्रिन्टर्स

✦ जी.एस.टी. श्रित बुक/फर्म ✦ कार्यालय रजिस्टर ✦ स्कूल कार्य/कार्य/बयरी ✦ फर्पलेट ✦ कलर पोस्टर ✦ कलर डिजिटल कार्ड ✦ कैलेंडर लेट पेंड ✦ बैंक फार्म ✦ मिट्टी-टीरी एजेंसी, बीनद नद्यकरपुर-सिद्धार्थनगर (उ.प्र.) ✦ 8795951917, 9453824459 ✦

बॉक्स ऑफिस पर पठान के बाद धुरंधर की नजर आरआरआर के रिकॉर्ड के पर, पहुंची 750 करोड़ी क्लब के करीब



किक 2 पर आ गया सबसे बड़ा अपडेट, झूम उठेंगे सलमान खान के चाहने वाले

सलमान खान को आखिरी बार सिकंदर में देखा गया था, जिसे लोगों ने मिली-जुली प्रतिक्रिया



दी। सुपरस्टार आगामी फिल्म बैटल ऑफ गलवान में व्यस्त चल रहे हैं जिसे 2026 में रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा, सलमान किक 2 पर भी काम शुरू कर चुके हैं। इस बात की पुष्टि उन्होंने खुद बिग बॉस 19 में की थी। अब इस सीक्वल से जुड़ा बड़ा अपडेट आ रहा है जिसे जानने के बाद, प्रशंसक खुशी से झूम उठेंगे। बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड के मुताबिक, निर्माता साजिद नाडियादवाला किक 2 के ऐलान की योजना बना रहे हैं। सलमान के जन्मदिन यानी, 27 दिसंबर को फिल्म की आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। किक 2014 में रिलीज हुई थी, और इसने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। सलमान ने इसमें डेविल का किरदार निभाया था जिसे बॉलीवुड के हालिया इतिहास के सबसे लोकप्रिय किरदारों में से एक माना जाता है। लोग बेसब्री से किक 2 का इंतजार कर रहे हैं। किक 2 से जुड़ी एक और रोमांचक खबर है जो लोगों की उत्सुकता को बढ़ा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माताओं ने सीक्वल के लिए कृति सैनन से संपर्क किया गया है। अगर सबकुछ तय योजना के मुताबिक रहा, तो कृति और सलमान की जोड़ी पहली बार पर्दे पर नजर आएगी। कृति ने हाल ही में फिल्म तेरे इश्क में के लिए दर्शकों की वाहवाही लूटी है। आनंद एल राय द्वारा निर्देशित इस फिल्म में धनुष मुख्य किरदार में है।

धुरंधर चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गई है. शानदार वीकेंड के बाद चौथे सोमवार (29 दिसंबर) को कलेक्शन में गिरावट दर्ज किया गया. इसके बावजूद सिनेमाघरों में रणवीर सिंह का जादू जारी रहा. फिल्म ने भारत में 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर इतिहास रच दिया है, जिसने छावा, कांतारा 2 और सैयारा जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है. रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म धुरंधर को पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है. ओपनिंग डे के बाद से फिल्म की रफ्तार धीमी होने का नाम ही नहीं ले रही है. फिल्म को रिलीज हुए 25 दिन हो गए हैं. 25वें दिन भी इसने डबल डिजिट में कमाई की है, जो वाकई कमाल है. धुरंधर के मेकर्स ने फिल्म के 25वें दिन के कलेक्शन रिपोर्ट जारी किया है. फिल्म ने अपने चौथे सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर 11.20 करोड़ रुपये कमाए, जिससे 25 दिनों का कुल कलेक्शन 741.90 करोड़ रुपये हो गया है. रणवीर सिंह की स्पाई थ्रिलर फिल्म ना सिर्फ वर्ल्डवाइड लेवल पर धमाल मचा रही है. यह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में ऊपर की ओर बढ़ती जा रही है. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसे अभी आरआरआर (782.2 करोड़ रुपये), पुष्पा 2रू द रूल (1234.1 करोड़ रुपये), केजीएफरू चौप्टर 2 (859.7 करोड़ रुपये), बाहुबली 2रू द कन्क्लूजन (1,030.42 करोड़ रुपये) जैसी बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ना बाकी है. धुरंधर अब पैन इंडिया फिल्मों से मुकाबला कर रही है. फिल्म का अगला लक्ष्य आरआरआर को पछाड़ना है. सैकनलिक के मुताबिक, एसएस राजामौली की निर्देशित और राम चरण और जूनियर एनटीआर अभिनीत आरआरआर ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 782.2 करोड़ रुपये कमाए थे. वहीं, धुरंधर ने वर्ल्डवाइड लेवल पर शाहरुख खान की फिल्म पठान (1048 करोड़ रुपये) का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है. रणवीर सिंह की फिल्म ने दुनियाभर में 1100.23 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. इसी के साथ दंगल (2000 करोड़ रुपये से ज्यादा) और जवान (1148 करोड़ रुपये) के बाद धुरंधर वर्ल्डवाइड सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी बॉलीवुड फिल्म बन गई है. बॉक्स ऑफिस पर धुरंधर का मुकाबला नई फिल्मों से हो रही है. कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे स्टारर तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और अवताररू ऐश एंड फायर जैसी नई फिल्मों के रिलीज होने के बावजूद, यह फिल्म सिनेमाघरों में मजबूती से टिकी हुई है.

बिग बॉस की स्टार दिवी वधत्या की पैन इंडिया फिल्म कर्मास्तलम का शानदार फर्स्ट लुक पोस्टर जारी



कि फिल्म के शानदार दृश्य, प्रभावशाली बैकग्राउंड स्कोर और बारीक कला डिजाइन कर्मस्थलम की प्रमुख विशेषताएं होंगी। कर्मास्तलम को एक पैन इंडिया एक्शन फालतूगांजा के रूप में बनाया जा रहा है जिसे देश भर के दर्शकों तक पहुंचने के लिए तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में प्रमुख भूमिकाओं में अर्चना शास्त्री, चंकी पांडे, अरविंद कृष्णा, प्रिंस सेसिल, किल्ली क्रांति, मिताली चौहान, कालकेय प्रभाकर, वैकटेश मुम्मिदी, विनोद कुमार अल्वा, बालागम संजय, नाग महेश और दिल रमेश जैसे कलाकार शामिल हैं। तकनीकी मोर्चे पर, शिरीष प्रसाद संपादन का काम संभाल रहे हैं, जबकि साई कार्तिक फिल्म का संगीत तैयार कर रहे हैं। टीम आने वाले दिनों में और भी रोमांचक घोषणाएं करने की योजना बना रही है।

समरदनी फिल्मस और रॉय फिल्मस के बैनर तले भव्य पैमाने पर निर्मित, कर्मस्थलम का निर्देशन रॉकी शेरमन ने किया है और हर्षा वर्धन शिंदे इसके निर्माता हैं। फिल्म में बिग बॉस फेम दिवी वधत्या एक दमदार केंद्रीय भूमिका में हैं। फिल्म का आकर्षक फर्स्ट लुक पोस्टर जारी कर दिया गया है।

पहले लुक वाले पोस्टर में दिवी को धड़कती लपटों और युद्ध में उलझे सैनिकों से घिरे युद्धक्षेत्र में आगे बढ़ते हुए दिखाया गया है, जिसमें हर छोटी से छोटी डिटेल् एक भव्य युद्ध गाथा का एहसास दिलाती है। फिल्म निर्माताओं का कहना है



हैं, क्योंकि उन्होंने पहले बड़े हीरो के साथ काम किया है। उन्होंने डायरेक्टर के फैसलों पर भरोसा जताया, यहाँ तक कि जब उनसे भड़काऊ कंटेंट की मांग की गई, जैसे कि अपनी स्कर्ट नीचे करने के लिए कहा गया। इस फिल्म में टैलेंटेड कलाकार हैं, जिनमें मक्कल सेल्वन विजय सेतुपति कैमियो रोल में, पूर्णा और संतोष प्रताप अहम भूमिकाओं में शामिल हैं। रॉकफोर्ट एंटरटेनमेंट के तहत टी मुरुगनथम द्वारा प्रोड्यूस की गई पिशाची 2 को फाइनैशियल दिक्कतों के कारण देरी का सामना करना पड़ा है। फिल्म का म्यूजिक कार्तिक राजा ने कंपोज किया है, और टॉलीवुड प्रोड्यूसर दिल राजू ने तेलुगु राज्यों में इसके थिएट्रिकल राइट्स खरीद लिए हैं। अफवाहों के बावजूद, एंड्रिया इस प्रोजेक्ट को लेकर कॉन्फिडेंट हैं, और फैंस इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मिस्रिकन की पिशाची 2 अपने इरोटिक सीन्स और इंटेंस कहानी के मेल के साथ एक रोमांचक हॉरर अनुभव देने का वादा करती है। अपनी टैलेंटेड कास्ट और क्रू के साथ, फिल्म से एक अनोखा सिनेमैटिक अनुभव देने की उम्मीद है। जैसे-जैसे रिलीज डेट पास आ रही है, और भी अपडेट आने की उम्मीद है, जिससे फैंस उत्साहित और जुड़े रहेंगे।

लिपस्टिक लगाते समय न करें ये 5 गलतियां, बिगड़ सकता है पूरा लुक



लिपस्टिक कई महिलाओं की सुंदरता का अहम हिस्सा है। हालांकि, लिपस्टिक लगाते समय कई महिलाएं कुछ ऐसी गलतियां कर बैठती हैं, जो उनके लुक को बिगाड़ सकती हैं। इन गलतियों के कारण लिपस्टिक शेड सही तरह से नहीं बैठता या फिर लंबे समय तक नहीं टिकता। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जिन्हें लिपस्टिक लगाते समय करने से बचना चाहिए ताकि आपका लुक हमेशा बेहतरीन रहे।

होंठों को साफ न करना: लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों की सफाई करना बहुत जरूरी है। अगर आप यह कदम छोड़ देती हैं तो आपका लुक बिगड़ सकता है। सफाई से सूखी त्वचा हटती है, जिससे होंठ चिकने और मुलायम बनते हैं। इसके बाद लिपस्टिक शेड होंठों पर सही तरह से बैठता है और लंबे समय तक टिका रहता है। सफाई से लिपस्टिक का लुक भी बेहतर होता है और आपके होंठों की सुंदरता उभरकर आती है।

बेस न लगाता: बेस का उपयोग करने से आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है। अगर आप बेस का उपयोग नहीं करती हैं तो आपकी लिपस्टिक जल्दी धुंधली हो सकती है और आपको बार-बार इसे ठीक करने की जरूरत पड़ सकती है। बेस लगाने से आपके होंठों की बनावट समान होती है और लिपस्टिक शेड सही तरह से बैठता है। इससे आपका लुक भी बेहतरीन दिखता है और लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है।

सही शेड का चयन न करना लिपस्टिक खरीदते समय सही शेड का चयन करना बहुत जरूरी है। कई महिलाएं दुकानदार की सलाह पर बिना सोचे-समझे कोई भी शेड चुन लेती हैं, जो उनके चेहरे पर अच्छा नहीं लगता। हमेशा अपनी त्वचा के रंग और चेहरे की बनावट को ध्यान में रखकर ही लिपस्टिक शेड चुनें। इससे आपका लुक बेहतरीन दिखेगा और आप हमेशा खूबसूरत लगेंगी। सही शेड चुनने से आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है और आपका चेहरा निखरा हुआ दिखता है।

होंठों की सीमा का ध्यान न रखना अगर आप चाहती हैं कि आपकी लिपस्टिक पूरे दिन सही रहे तो इसके लिए होंठों की सीमा का ध्यान जरूर रखें। यह आपकी लिपस्टिक को फैलने से रोकता है और आपके होंठों को एक साफ और सुंदर लुक देता है। इसके अलावा इससे आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहती है और आपको बार-बार इसे ठीक करने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे आपके होंठों की बनावट समान होती है और लिपस्टिक शेड सही तरह से बैठता है।

ज्यादा मात्रा में लिपस्टिक लगाना ज्यादा मात्रा में लिपस्टिक लगाने से आपका लुक ज्यादा बनावटी लग सकता है इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही लिपस्टिक लगाएं। इससे आपका लुक सुंदर और आकर्षक दिखेगा। लिपस्टिक लगाने के बाद अपने होंठों की बनावट को ध्यान में रखते हुए हल्का सा दबाएं ताकि अतिरिक्त तेल हट जाए और लिपस्टिक सेट हो जाए। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप अपनी लिपस्टिक को बेहतरीन बना सकती हैं और हमेशा खूबसूरत दिख सकती हैं।